उसने कहा था

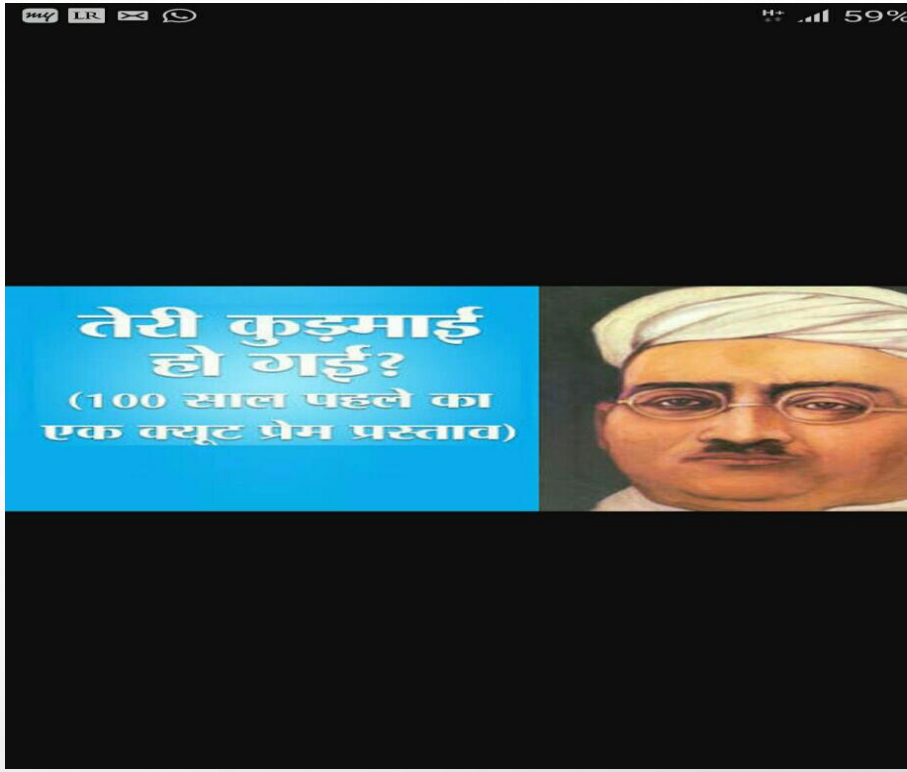

उसने कहा था

1. पंजाब के अमृतसर के इक्कों वालों की और मीठी बोली 12 साल के लड़के और 8 साल की लड़की के विनोद प्रिय प्रेम से प्रारंभ
2. द्वितीय विश्वयुद्ध के बारे में जहाँ लहनासिंह अलाइड फोर्सेज के अंतर्गत लड़ रहा है, वहाँ जर्मन अफसर की कुटिल चाल को होशियारी से भाँप कर निडरता का परिचय देता है।बोधासिंह बीमार है, गला देने वाली ठंड है सूबेदार सिपाही सभी खंदक मे हैं।
3. अतीत की स्मृतियाँ।सम्पूर्ण जीवन दृश्य।बचपन,जवानी,काल्पनिक बुढ़ापा।आम के व्रक्षकी छाया में अंतिम सांस।

कुछ प्रश्न

1. अमृतसर की गलियों का कहानीकार ने कैसा वर्णन किया है?
2. कौन किसको किस से बचाता है?
3. उसने कहा था के स्थान पर अन्य शीर्षक सुझाएँ।
4. उसने से यहाँ किस से अर्थ है और क्यों?
5. सूबेदारनी का नाम बताइये।
6. प्रेम को अपने शब्दों में परिभाषित कीजिये।
7. जर्मन अफसर को किस शक पर पकड़ा गया?

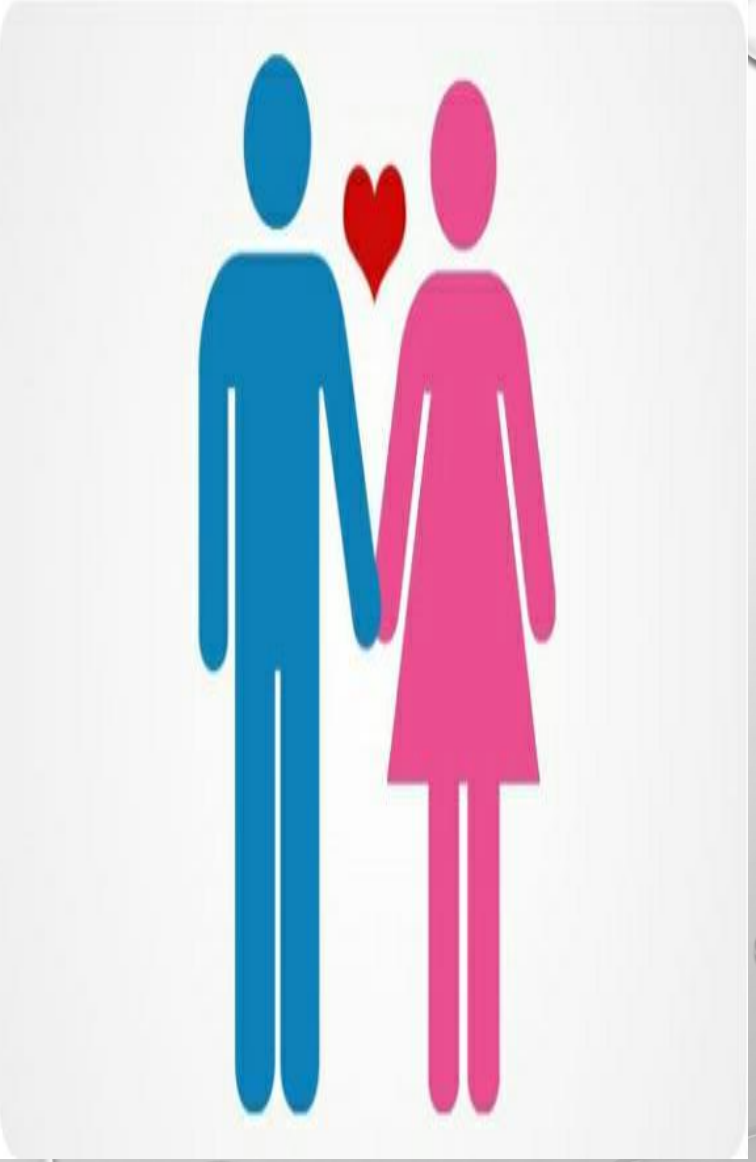

कुछ शेष प्रश्न

- धत् और इसस शब्दों का मनोविज्ञान क्या है?
- प्रेम के उद्दात्त भाव से आप क्या समझते है?
- लहनासिंह की कर्तव्यपरायणता से आप कितने प्रभावित हुए?
- यदि आप लहनासिंह की जगह आप होते तो क्या करते?
- “उसने कहा था “ शीर्षक के स्थान पर कोई और शीर्षक हो सकता है
- क्या प्रेम और कर्तव्य एक ही सिक्के के पहलू है?
- जीवन मे प्रेम की महत्ता बतलाइये।
- व्यक्तिगत प्रेम उद्दात्त प्रेम से कैसे अलग है?

उसने कहा था

1. परीक्षा उपयोगी प्रश्न
2. प्रेम के उद्दात्त रूप की अभिव्यक्ति “उसने कहा था” कहनी में कहानीकार ने सौन्दर्य पूर्ण रूप से की है।स्पष्ट करें।
3. लहनासिंह और सूबेदारनी की इस प्रेम कथा से आप कितने प्रभावित हुए।विवेचना कीजिये।
4. उसने कहा था कहानी की तत्वों के आधार पर समीक्षा कीजिये।
5. उसने कहा था कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।
6. कहानीकार ने प्रेम की इस अनुभूति को अपने हृदय पटल पर स्वयं अनुभूत किया है स्पष्ट कीजिए।

परीक्षा उपयोगी प्रश्न

- लहनासिंह का चरित्र चित्रण कीजिये।
- लहनासिंह प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा का अनूठा संगम है स्पष्ट कीजिए।

कहानी से सम्बंधित प्रश्न

1. कहानी का रचनाकाल
2. कहानी की देशकाल परिस्थिति
3. कहानी का विश्वपटल काल
4. कहानी का कथानक
5. कहानी के मुख्य पात्र
6. कहानी का ट्विस्ट
7. कहानी का मनोविज्ञान

उसने कहा था कहानी की संवेदना

1. व्यक्तिगत प्रेम से राष्ट्रप्रेम तक के उद्दात्त प्रेम कीयात्रा
2 LOVE AT FIRST SITE
3 किशोरावस्था का मनोविज्ञान
4 राष्ट्रप्रेम और वीरता
5 विश्वास और प्रेम का अनूठा संगम
6 कर्तव्यपरायणता और प्रेम का संगम
7 निडरता और चातुर्य का कौशल

उसने कहा था का उद्देश्य

- चंद्रधर शर्मा गुलेरी (1883-1922) संपादक के साथ-साथ निबंधकार और कहानीकार भी थे. उन्होंने कुल तीन कहानियां लिखी हैं – बुद्धू का कांटा, सुखमय जीवन और उसने कहा था. लेकिन हिंदी साहित्य में उसने कहा था और गुलेरी जी को एक दूसरे का पर्याय माना जाता है.
आखिर ऐसा क्या था इस कहानी में जिसने इसके साथ-साथ इसके लेखक को भी अमर कर दिया? यह कहानी आज के प्रेमी-प्रेमिकाओं की तरह न कोई प्रेम सप्ताह मानती है न प्रेम-दिवस. न गुलाबों के आदान-प्रदान का दिन और न ही वादे किए जाने का. लेकिन इसके लिखे जाने के 100 सौ साल बाद भी आज जब हिंदी की प्रेम कहानियों का जिक्र होता है तो बहुतों की स्मृति में सबसे पहले इसी का नाम आता है. बीबीसी के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 'उसने कहा था' न सिर्फ प्रेम-कथाओं बल्कि हिंदी की दस बेमिसाल कहानियों में शामिल है. आलोचक नामवर सिंह तो मानते हैं कि 'उसने कहा था' का समुचित मूल्यांकन होना अभी बाकी है. उनके मुताबिक अभी इसे और समझे और पढ़े जाने की जरूरत है.

उसने कहा था कहानी का कथानक

- घटनाप्रधान कथानक
- चरित्र प्रधान कथानक
- बैकग्राउंड स्टोरी की पहल
- कथा का मनोरंजक गुम्फन
- संपूर्ण जीवन- कथा
- कथानक की प्रयोगधर्मिता
- कथानक की दृष्टि से हिंदी कथा साहित्यकेके लिए उदाहरण

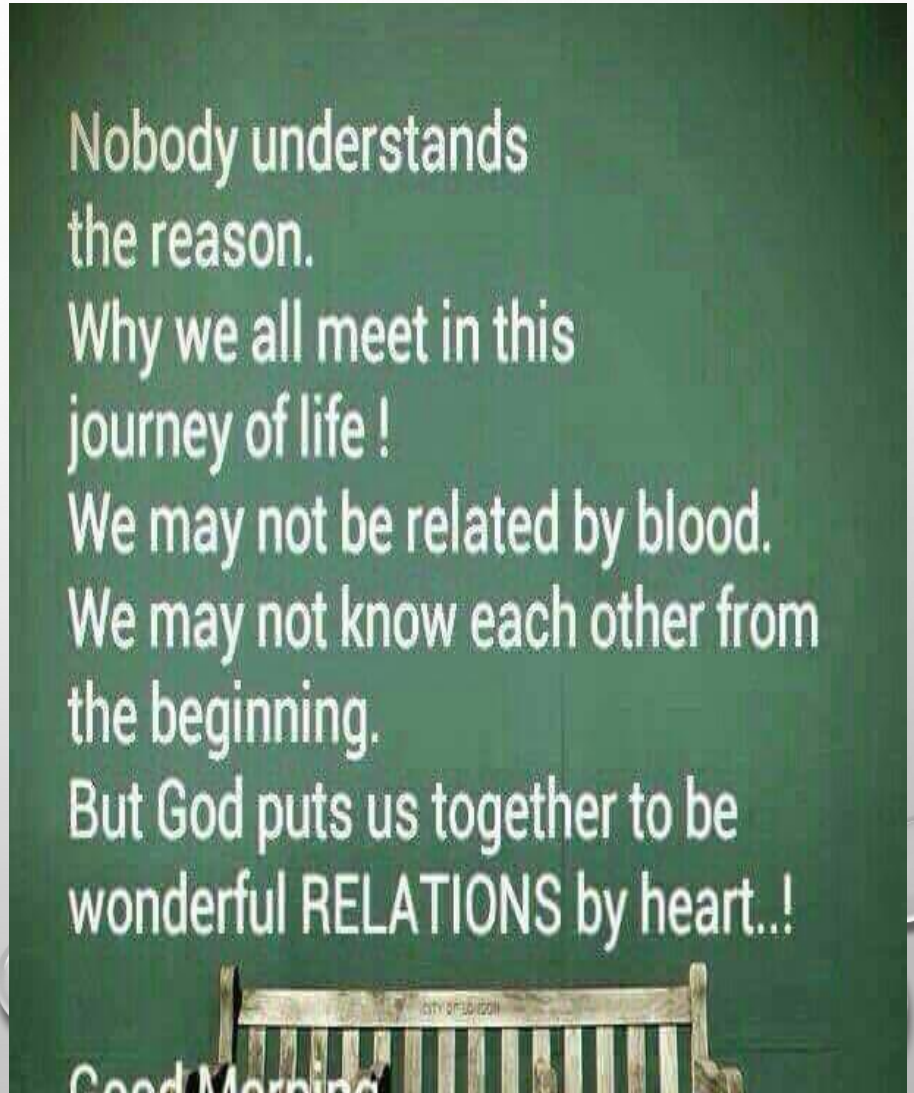

चरित्र- चित्रण
लहनासिंह

1. विनोदप्रिय
2. कर्तव्यनिष्ठ
3. उद्दात्त प्रेमानुभूति
4. बहादुर जांबाज़ सिपाही
5. वीर
6. सम्वेदनशील
7. निडर

उसने कहा था

8 निर्णात्मकता

9 मानव सुलभ गुणों का सौंदर्यीकरण

10 प्रेम और बलिदान का सम्बंध

लहना का चरित्र

- बलिदान

  विवेकशील
- भावुक
- परिवार स्नेही

  कुशल निर्णायक

उसने कहा था की भाषा शैली

- पूर्वदिप्ति शैली
- चित्रात्मक शैली
- व्यंग्यात्मक शैली
- कल्पनाशील शैली
- आँचलिक शैली
- भावप्रधान शैली

प्रस्तुति

- डॉ. अर्चना गौड़
- प्रवक्ता
- रामलाल आनंद महाविद्यालय